

S.D.E.

S.Y.B.A. (2008 Course): SUMMER-2018

SUBJECT: ECONOMICS (S-2)

Day: **Saturday**
Date: **21/04/2018**

Time: **11:00 AM TO 2:00 PM**
Max. Marks: 80

S-2018-4092

N.B:

- 1) All questions are **COMPULSORY**.
- 2) Figures to the right indicate **FULL** marks.
- 3) Draw the diagram **WHEREVER** necessary.

SECTION – I

- Q.1** Attempt any **TWO** of the following: (16)
- a) Explain the nature of Macro Economics.
 - b) What are the objectives of Macro Economics?
 - c) Discuss the Say's Law of Market.
 - d) Explain the measurement of National Income.
- Q.2** Write short notes on any **FOUR** of the following: (16)
- a) Consumption Function
 - b) Aggregate Demand
 - c) Net National Income
 - d) Induced Investment
 - e) Government and International Trade
 - f) Effective Demand

SECTION – II

- Q.3** Solve any **TWO** questions of the following: (16)
- a) Explain the Neo-classical Models of economic growth.
 - b) State the merits of flexible exchange rate system.
 - c) Explain the sources of economic growth.
 - d) Discuss the components of balance of payment.
- Q.4** Attempt any **TWO** of the following: (16)
- a) Explain the Keynesian view of trade cycle.
 - b) What are the phases of trade cycles?
 - c) Explain Neo-classical Theory of Interest.
 - d) Explain the Hawtrey's Monetary Theory.
- Q.5** Write short notes on any **FOUR** of the following: (16)
- a) Classical Theory of Interest
 - b) Over Investment
 - c) Accelerator
 - d) Fixed Exchange Rate
 - e) Balance of Trade
 - f) Constraints to Growth

* * *

मराठी रूपांतर

सूचना:

- १) सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.
- २) उजवीकडील अंक गुणांचा निर्देश करतात.
- ३) दोन्ही विभाग एकाच उत्तरपत्रिकेत लिहावेत.

विभाग - १

- प्र.१ खालीलपैकी कोणत्याही दोन प्रश्नांची उत्तरे लिहा. (१६)
- अ) स्थूल अर्थशास्त्राचे स्वरूप स्पष्ट करा.
 - ब) स्थूल अर्थशास्त्राची उद्दिष्टे कोणती?
 - क) 'से' च्या बाजार नियमावर चर्चा करा.
 - ड) राष्ट्रीय उत्पन्नाचे मापन स्पष्ट करा.
- प्र.२ खालीलपैकी कोणत्याही चारवर टीपा लिहा. (१६)
- अ) उपभोग फलन
 - ब) एकूण मागणी
 - क) निव्वळ राष्ट्रीय उत्पन्न
 - ड) प्रेरित गुंतवणूक
 - इ) शासन आणि आंतरराष्ट्रीय व्यापार
 - फ) प्रभावी मागणी

विभाग - २

- प्र.३ खालीलपैकी कोणत्याही दोन प्रश्नांची उत्तरे लिहा. (१६)
- अ) आर्थिक वृद्धिचे नव-सनातनपंथीय प्रतिमान स्पष्ट करा.
 - ब) बदलत्या विनिमय दर पध्दतीचे फायदे सांगा.
 - क) आर्थिक वृद्धिचे स्रोत स्पष्ट करा.
 - ड) व्यवहारतोलातील घटकावर चर्चा करा.
- प्र.४ खालीलपैकी कोणत्याही दोन प्रश्नांची उत्तरे लिहा. (१६)
- अ) व्यापार चक्राबाबात केन्सचे विचारावर चर्चा करा.
 - ब) व्यापार चक्राच्या अवस्था कोणत्या?
 - क) व्याजाचा नव सनातनपंथीय सिध्दांत स्पष्ट करा.
 - ड) हॉट्टे चा मौद्रिक सिध्दांत स्पष्ट करा.
- प्र.५ खालीलपैकी कोणत्याही चारवर टीपा लिहा. (१६)
- अ) व्याजाचा सनातनपंथीय सिध्दांत
 - ब) अतिरिक्त गुंतवणूक
 - क) प्रवेग
 - ड) स्थिर विनिमय दर
 - इ) व्यापारतोल
 - फ) वृद्धिच्या मर्यादा

हिंदी रूपांतर

सूचनाएं:

- १) सभी प्रश्न आनिवार्य है।
- २) दाहिने ओर दिए हुए अंक गुणोंका निर्देश करते है।
- ३) दोनों विभाग एकही उत्तरपत्रिका में लिखिए ।

विभाग - १

- प्र.१ निम्नलिखित प्रश्नो में से किन्ही दो के उत्तर लिखिए । (१६)
- अ) समग्र अर्थशास्त्र की प्रकृति स्पष्ट कीजिए ।
 - ब) समग्र अर्थशास्त्र के उद्देश कौनसे है?
 - क) 'से' के बाजार सिध्दांतपर चर्चा कीजिए ।
 - ड) राष्ट्रीय आय का मापन स्पष्ट कीजिए ।
- प्र.२ निम्नलिखित में से किन्ही चारपर टिप्पणीयाँ लिखिए । (१६)
- अ) उपभोग फल
 - ब) कुल मांग
 - क) शुद्ध राष्ट्रीय आय
 - ड) प्रेरित निवेश
 - इ) शासन तथा आंतरराष्ट्रीय व्यापार
 - फ) प्रभावशाली मांग

विभाग - २

- प्र.३ निम्नलिखित प्रश्नो में से किन्ही दो के उत्तर लिखिए । (१६)
- अ) आर्थिक वृद्धि का नव-पारम्पारिक प्रतिमान स्पष्ट कीजिए ।
 - ब) लचिले विनिमय दर प्रणाली के गुण स्पष्ट कीजिए ।
 - क) आर्थिक वृद्धि के स्रोत स्पष्ट कीजिए ।
 - ड) भूगतान शेष के घटकोंपर चर्चा कीजिए ।
- प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नो में से किन्ही दो के उत्तर लिखिए । (१६)
- अ) व्यापार चक्रपर केन्स के विचार स्पष्ट कीजिए ।
 - ब) व्यापार चक्र के अवस्थाएं कौनसे है?
 - क) ब्याज का नवपारम्पारिक सिध्दांत स्पष्ट कीजिए ।
 - ड) हॉट्टे का सिध्दांत स्पष्ट कीजिए ।
- प्र.५ निम्नलिखित में से किन्ही चारपर टिप्पणीयाँ लिखिए । (१६)
- अ) ब्याज का पारम्पारिक सिध्दांत
 - ब) अतिरिक्त निवेश
 - क) प्रवेग
 - ड) स्थिर विनिमय दर
 - इ) व्यापारशेष
 - फ) वृद्धि के अवरोध